

(b) if so, whether Government have accepted the same; and

(c) the details of the tuition fee being charged from students of technical education institutions in the Union Territories, Union-Territory-wise?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) The recommendation of the Task Force constituted by the All India Council for Technical Education (AICTE) to charge the Tuition Fees in technical institutions based on the percentage of the annual recurring expenditure is yet to be finally approved by the AICTE.

(b) Does not arise in view of (a) above.

(c) The information is being collected.

Affairs of Kendriya Vidyalaya Sangathan

1540. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY:
DR. Z. A. AHMAD:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government have recently asked for a report on the affairs of Kendriya Vidyalaya Sangathan; and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH): (a) and (b) No, Sir. However, a Review Committee set up in 1987 had examined in detail the functioning of the Kendriya Vidyalaya Sangathan. The Government's views together with the recommendations of the Committee were forwarded to Kendriya Vidyalaya Sangathan for their implementation in consultation with various Committees. It is therefore too early to again examine

the overall functioning of the Kendriya Vidyalaya Sangathan. However, the affairs of the Sangathan are kept under continuous review.

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

1541. श्री शंकर दयाल सिंह।
क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने पिछले तीन वर्षों के दौरान किन-किन भाषाओं में कितनी-कितनी पुस्तकें प्रकाशित की ;

(ख) उपर्युक्त अवधि के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् ने अपने प्रकाशनों के मुद्रण पर कितनी धनराशि व्यय की और उसी अवधि के दौरान इसकी कितनी बिक्री हुई ; और

(ग) उसकी अगले वर्ष प्रकाशनों संबंधी क्या योजनाएं हैं ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) गत तीन वर्षों के दौरान रा०शै०अ०प्र०प० द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की संख्या तथा उनकी भाषाएं विवरण 1 में संलग्न हैं। रा०शै०अ०प्र०प० के सभी प्रकाशनों की प्रतियां संसद पुस्तकालय को नियमित रूप से भेजी जाती हैं।

(ख) रा०शै०अ०प्र०प० द्वारा कागज पर किए गए व्यय सहित छपाई पर किया गया व्यय तथा उक्त अवधि के दौरान विक्रय प्राप्ति विवरण-11 में संलग्न है।

(ग) रा०शै०अ०प्र०प० ने सूचित किया है कि वह पाठ्यपुस्तकों के पुनः मुद्रित संस्करणों/नये संस्करणों तथा अन्य साधन्य प्रकाशनों सहित प्रति-वर्ष लगभग 250 से 300 शीर्षक निकालता है। इसके वर्ष 1991-92 में भी जारी रहने की आशा है।